Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 GISRRJ | Volume 4 | Issue 3 | ISSN : 2582-0095

बाजार की प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षाः एक अध्ययन

डॉ. कमल सिंह
असिसटेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्रा विभाग,
नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास पी.जी. कॉलेज, बदायूँ, उ.प्र.।

Article Info
Volume 4 Issue 3
Page Number : 81-87

Publication Issue :
May-June-2021

Article History
Accepted : 20 June 2021
Published : 30 June 2021

शोधसारांश– यह शोध प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुद्दों हेतु समर्पित है। इस अध्ययन का पद्धतिगत आधार एक व्यवस्थित दृष्टिकोण है जो प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा की समग्र और कार्यात्मक दृष्टि प्रदान करता है। यह पाया गया कि एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा एक बहुआयामी अवधारणा है, जिसके अनुसार औद्योगिक उद्यम की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में सभी प्रकार के संसाधनों की दक्षता पर मुख्य जोर दिया जाता है। एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला गया है। हम प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में औद्योगिक उद्यम में आर्थिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यकताओं के पालन की जरूरत को साबित करते हैं, जिसमें शामिल हैंः उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के घटकों से संबंधित रणनीतिक उपायों की एक प्रणाली का गठन, औद्योगिक उद्यम नीतियों का विकास एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, किसी उद्यम के जोखिमों और खतरों की निगरानी के लिए सूचना उपकरणों और डिजिटल तकनीकों का उपयोग, आदि।

मुख्य शब्दः आर्थिक सुरक्षा, औद्योगिक उद्यम, प्रतिस्पर्धी स्थितियां, प्रतियोगिता आदि।

परिचय– आधुनिक संसाधन असंतुलन, आर्थिक विकास के वैश्वीकरण से उत्पन्न होने वाले निरंतर असंतुलन, बाजार की स्थितियों में प्रणालीगत बदलाव, तकनीकी परिवर्तन में तेजी से रुझान और अन्य चुनौतियों के लिए औद्योगिक उद्यमों को आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जो उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति प्रदान करने की अनुमति देता है। आर्थिक विकास की आज की परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने के लिए औद्योगिक उद्यमों को आर्थिक सुरक्षा की एक प्रणाली विकसित करने के प्रश्न का सामना करना पड़ता है। खतरे और जोखिम मूल्यांकन के तरीकों को प्रमाणित करने की आवश्यकता के कारण, प्रबंधन के फैसले उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह और अन्य चीजें प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के अध्ययन की प्रासंगिकता को निर्धारित करती हैं।

इस अध्ययन का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के सिद्धांतों की पहचान करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमने निम्नलिखित कार्यों की पहचान की है और उन्हें पूरा किया है :

एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए आवश्यकताओं को उजागर करना, आर्थिक सुरक्षा के घटक तत्वों को अलग करने के दृष्टिकोण को औपचारिक बनाना, आर्थिक सुनिश्चित करने

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

के लिए आवश्यकताओं को रेखांकित करना प्रतिस्पर्धा की स्थिति में एक औद्योगिक उद्यम में सुरक्षा और प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में अपने आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए एक औद्योगिक उद्यम के प्रयासों की दिशा निर्धारित करना है।

साहित्य समीक्षा– औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की समस्या लंबे समय से वैज्ञानिक अध्ययनों में शामिल है, जो अन्य बातों के अलावा, वैश्वीकरण प्रक्रियाओं के कारण हैं, जो बाजार में औद्योगिक उद्यमों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि औद्योगिक उद्यमों की स्थिरता के संरक्षण के संदर्भ में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर इन वैज्ञानिकों द्वारा विचार किया गया है, जो है।: अरेफीवा ओ. (2017), इलियाशेंको एस. (2013), इवचेंको ई. (2018), कोवलचुक ए. (2020), क्रुतोव वी. (2008), कुजेंको टी. (2004), किचको आई., मेलिखोवा टी. (2018), मिजुक वी. (2008), पोपेलो ओ. (2014), शकरलेट एस. (2007), सोलोसिच ओ. (2020, 2021), तुलचिंस्की आर. 2021), यारोवा वाई (2016) और अन्य। इस प्रकार, अरफीवा ओ. (2021) और कुज़ेनको टी. (2004), औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा पर शोध करते हुए, विदेशी आर्थिक कारकों के संयोजन और संसाधनों और प्रक्रियाओं की आंतरिक संरचना के कारण इस अवधारणा की जटिलता पर जोर देते हैं। एक उद्यम, जो तब सक्रिय होता है जब उद्यम की सुरक्षा और बाजार पर इसकी प्रतिस्पर्धी स्थिति की आवश्यकता के साथ–साथ एक खतरनाक स्थिति उत्पन्न होती है।

आर्थिक सुरक्षा के लिए औपचारिक दृष्टिकोण, स्कारलेट एस. (2007) ने औद्योगिक उद्यमों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संसाधन प्रणालियों, सूचना प्रवाह और नवीन अवसरों द्वारा प्रदान किए गए उत्पादन और संगठनात्मक संरचना के संबंध की प्रकृति की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया। इलियाशेंको एस. (2013) पर्यावरण के नकारात्मक प्रभावों को बेअसर करने की आवश्यकता पर बल देते हैं, जो औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा की प्रभावशीलता का मुख्य निर्धारक है।

आर्थिक विकास की आधुनिक आर्थिक चुनौतियाँ लगातार प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों को बढ़ा रही हैं, जो औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान की प्रासंगिकता को बढ़ाती हैं। ये और अन्य कारण इस दिशा में आगे के वैज्ञानिक अनुसंधान का निर्धारण करते हैं।

कार्यप्रणाली– इस अध्ययन का पद्धतिगत आधार एक व्यवस्थित दृष्टिकोण है, जो प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा की समग्र और कार्यात्मक दृष्टि प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान के सामान्य और विशिष्ट दोनों वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया गया है, जिनमें शामिल हैं:

ए) प्रेरण और कटौती– वस्तुनिष्ठ अनुसंधान और प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के सिद्धांतों की पहचान के लिए,

बी) विश्लेषण– बढ़ती प्रतिस्पर्धा की आधुनिक परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा के रुझानों की पहचान करने के लिए, उद्यमों की औद्योगिक दिशा की बारीकियों को ध्यान में रखना।

सी) मोनोग्राफिक अध्ययन– प्रतिस्पर्धा में अपने आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक औद्योगिक उद्यम के प्रयासों की चयनित दिशा के लिए शर्तें और

डी) सामान्यीकरण– आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए औद्योगिक उद्यम अनुरोधों के समूह के आधार पर, प्रस्ताव तैयार करने के साथ–साथ औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए, घटकों और आवश्यकताओं को अलग करने के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना।

परिणाम और चर्चा– एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा एक बहुआयामी, बहु–वेक्टर अवधारणा है, जिसके अनुसार किसी उद्यम की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में सभी प्रकार के संसाधनों की दक्षता पर मुख्य जोर दिया जाता है। उद्यम संसाधनों के कुशल उपयोग में उत्पादन और वित्तीय गतिविधियों के साथ–साथ सामरिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के संबंध में लागत का तर्कसंगत वितरण शामिल है। यह एक

औद्योगिक उद्यम की स्थिरता और संतुलन और बाजार पर इसकी प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्राप्त करना संभव बनाता है। आधुनिक आर्थिक परिवर्तन के प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के सिद्धांतों को अलग करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रबंधन और औद्योगिक उद्यमों के आगे की रणनीतिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना संभव बनाता है।

एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का उपयोग किए बिना एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा की जांच करना असंभव है। चूंकि उद्यम स्वयं और इसकी आर्थिक सुरक्षा दोनों प्रकृति में व्यवस्थित हैं, पर्यावरण से जुड़े हुए हैं, वे उच्चतम स्तर के उप–प्रणालियों के रूप में कार्य करते हैं। आर्थिक सुरक्षा एक उद्यम के प्रभावी कामकाज को प्रभावित करती है और प्रतिस्पर्धी माहौल में विकास लक्ष्यों की उपलब्धि सुनिश्चित करती है। इसलिए, आर्थिक सुरक्षा के साथ–साथ किसी भी अन्य प्रणाली के लिए, इसके कामकाज की आवश्यकताएं महत्वपूर्ण हैं। एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए आवश्यकताओं में शामिल हैं:

- संरचना का संतुलन, जो संसाधनों और कार्यों के वितरण के बीच संतुलन द्वारा निर्धारित किया जाता है। एक संसाधन–गहन आर्थिक सुरक्षा प्रणाली खतरों और जोखिमों को कम करने के साथ–साथ प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में औद्योगिक उद्यम विकास की रणनीतिक योजना पर, प्रभाव की उद्देश्यपूर्णता पर निर्भर करती है।
- संसाधनों को आकर्षित करने की दक्षता, जो किसी उद्यम में आर्थिक सुरक्षा बनाने के मुख्य मिशन से होती है
- औद्योगिक उद्यमों के आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए जोखिम सहिष्णुता के एक निश्चित स्तर पर ध्यान दें
- किसी विशेष कार्यात्मक घटक पर आर्थिक सुरक्षा के प्रभाव की दिशा निर्धारित करने में प्राथमिकता।

एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा में घटक तत्वों की एक व्यापक प्रणाली होती है, जो औद्योगिक उद्यम की बारीकियों, उद्यम की प्रतिस्पर्धी स्थिति और बाजार में प्रतिस्पर्धा के आधार पर भिन्न हो सकती है। अक्सर, एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के घटकों में वित्तीय, तकनीकी, कार्मिक, सूचना, कानूनी, नवाचार और सुरक्षा शामिल होती है। इसके अलावा, सामाजिक, सांस्कृतिक, विदेशी आर्थिक, कॉर्पोरेट, आपराधिक, निवेश और अन्य घटकों को शामिल करने के लिए आर्थिक सुरक्षा के घटकों की इस सूची का विस्तार किया जा सकता है। आर्थिक सुरक्षा के मुख्य घटकों की संख्या, एक ओर, एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा की दिशा को अधिक व्यापक रूप से कवर करना संभव बनाती है, और दूसरी ओर – विकर्षण का कारण हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में, प्रतिस्पर्धी माहौल में एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और आर्थिक सुरक्षा के घटकों की पहचान करने के लिए एक औपचारिक दृष्टिकोण का पालन करना महत्वपूर्ण है। आर्थिक सुरक्षा के घटकों को अलग करने के लिए इस तरह के औपचारिक दृष्टिकोण में शामिल हो सकते हैं:

- संसाधन, जो उद्यम संसाधनों के प्रकार द्वारा एक वर्गीकरण प्रदान करता है और उनकी उपलब्धता या किसी उद्यम की सुरक्षा के लिए संसाधन प्राप्त करने की संभावना के लिए स्थापित मानदंड निर्धारित करता है (संसाधनों की सूची में वित्तीय, मानव, बौद्धिक, सूचनात्मक, तकनीकी, तकनीकी–विज्ञान, निवेश, बुनियादी ढांचा और अन्य संसाधन शामिल हो सकते हैं),
- क्षेत्रीय, प्रत्येक औद्योगिक उद्यम में गतिविधि का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होता है, जो अपने आप में एक विशेष उद्योग में उद्यमों की विकास सुरक्षा के विभिन्न संकेतक हो सकते हैं (गतिविधि के क्षेत्रों, जैसे उद्योग, ऊर्जा, परिवहन और व्यवसाय द्वारा पृथक्करण),

- कार्यात्मक, सुरक्षा के डिजाइन स्तर को सुनिश्चित करने के लिए एक उद्यम में लागू आर्थिक सुरक्षा की कार्यात्मकताओं पर निर्भर करता है (ऐसी कार्यात्मकताओं में आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय विकास, सूचना, वित्तीय, निवेश, कार्मिक, संगठनात्मक, प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में उद्यम की सुरक्षा कानून शामिल हो सकते हैं),
- प्रबंधकीय, जो आर्थिक विकास के लिए खतरों को कम करने की दिशा में आर्थिक सुरक्षा को निर्देशित करना सुनिश्चित करता है (बाजार, तकनीकी, नवाचार, भौतिक और अन्य क्षेत्रों पर प्रबंधकीय प्रभाव के क्षेत्रों से संबंधित),
- कारक, औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कारकों के वर्गीकरण के अनुसार और प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में उद्यम के संचालन के लिए जोखिम और खतरों के प्रकार हैं (आर्थिक और कार्यात्मक प्रभाव, तकनीकी, पर्यावरण, राजनीतिक, वैश्वीकरण और अन्य प्रभाव)। (चित्र– 1):

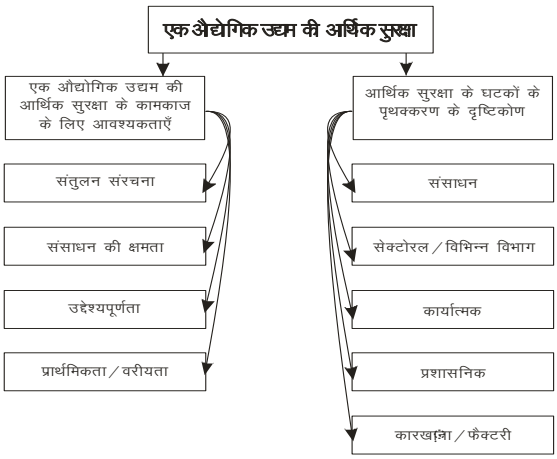

चित्र 1. एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए घटकों और आवश्यकताओं को अलग करने के दृष्टिकोण

किसी उद्यम की आर्थिक सुरक्षा की दक्षता में प्रतिस्पर्धी माहौल में उद्यम के कामकाज के स्तर को प्राप्त करना शामिल है, जिसमें सभी संसाधनों का उपयोग इतनी उत्पादकता से किया जाता है कि यह प्रतियोगियों की तुलना में उद्यम को अधिक लाभप्रदता प्रदान करता है। इस तरह की दक्षता में उद्यम द्वारा बनाए गए उत्पादों की लागत में न केवल लाभ प्रदान करना शामिल है, बल्कि नवीन, सूचनात्मक और अन्य तकनीकों का उपयोग भी शामिल है, जो कंपनी को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने या उद्यम के संचालन के लिए अन्य खतरों को कवर करने में सक्षम बनाती हैं। एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने से बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता के साथ–साथ लाभप्रदता भी बढ़ जाती है। यह स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति वाले प्रतिस्पर्धी माहौल में उद्यम के कब्जे को दर्शाती है। यह और अन्य शर्तें स्थितियों में एक औद्योगिक उद्यम में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रतियोगिता की निम्नलिखित आवश्यकताओं को निर्धारित करती हैं–

– उद्यम की आर्थिक सुरक्षा के घटकों के लिए प्रणालीगत, रणनीतिक उपायों का गठन,

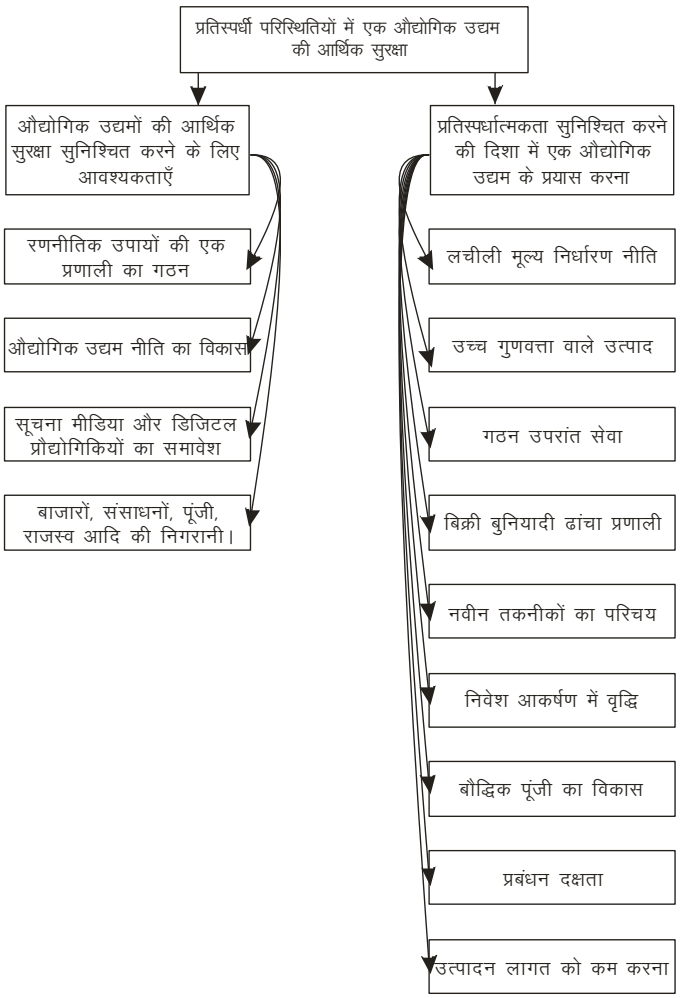

चित्र 2. प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा

- नवीन विकास और निवेश संसाधनों को आकर्षित करने की कीमत पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के निर्माण पर एक औद्योगिक उद्यम की नीतियों का विकास,
- बाजार पर उद्यम की प्रतिस्पर्धी स्थिति सुनिश्चित करने की दिशा में उद्यम के जोखिमों और खतरों की निगरानी के लिए सूचना उपकरणों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग,
- निगरानी, जिसमें संसाधनों, उत्पादों, पूंजी, वित्तीय और मूल्य निर्धारण नीतियों, बाजार की स्थितियों, आय स्थिरता के लिए बाजारों का सामान्य विश्लेषण शामिल है। (चित्र 2)

इस प्रकार, औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के कामकाज के लिए आवश्यकताओं का पृथक्करण, आर्थिक सुरक्षा के घटकों के पृथक्करण के दृष्टिकोण का स्पष्टीकरण और इसके लिए आवश्यकताएं औद्योगिक उद्यमों के प्रयासों की दिशा को उनके आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने की अनुमति देती हैं। प्रतिस्पर्धी स्थितियां, जिनमें शामिल हैं:

- लचीला मूल्य निर्धारण और टैरिफ नीति,
- निर्मित औद्योगिक उत्पादों की उच्च गुणवत्ता,

- बिक्री सेवा के बाद प्रणाली का गठन, जो उद्यम की छवि में सुधार करेगा,
- एक बिक्री अवसंरचना प्रणाली की स्थापना,
- नवीन तकनीकों का सक्रिय परिचय और नवीन उत्पादों के उत्पादन का समायोजन,
- निवेश आकर्षण में वृद्धि,
- उद्यम की बौद्धिक पूंजी का विकास और पूंजीकरण, सतत विकास और चक्रीय अर्थव्यवस्था के कामकाज के सिद्धांतों के अनुसार पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करना,
- एक औद्योगिक उद्यम की संगठनात्मक प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता,
- निर्दिष्ट मानकों और सुरक्षा और उत्पाद की गुणवत्ता के मानकों पर औद्योगिक उत्पादों की लागत को कम करने के लिए स्रोत खोजना,
- उत्पादों की मांग की उपस्थिति में उत्पादन क्षमता का विस्तार,
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश,
- उद्यम में अचल संपत्तियों का आधुनिकीकरण और नवीनीकरण,
- कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का गठन,
- ऊर्जा बचत प्रौद्योगिकियों, पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा में सुधार के लिए अन्य बाजार सहभागियों के साथ संयुक्त कार्य।

एक औद्योगिक उद्यम का संगठन, उल्लिखित दिशाओं को ध्यान में रखते हुए, उद्यम में आर्थिक सुरक्षा प्रणाली के कार्यान्वयन की जटिलता और इसकी उच्च दक्षता सुनिश्चित करेगा। बदले में, एक औद्योगिक उद्यम की आर्थिक सुरक्षा प्रणाली की दक्षता बाजार पर इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगी।

निष्कर्ष– प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के सिद्धांतों के अध्ययन ने औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा प्रणाली के आवेदन के पैटर्न और बाजार की दुनिया में व्यवहार की प्रतिस्पर्धी विशेषताओं को निर्धारित करना संभव बना दिया। इस अध्ययन की वैज्ञानिक नवीनता, एक प्रतिस्पर्धी माहौल में औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के सिद्धांतों की पहचान करना है, जो एक व्यवस्थित दृष्टिकोण और औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के लिए अनुरोधों के समूह के आधार पर, आर्थिक सुरक्षा के घटकों को प्रमाणित करने के लिए दृष्टिकोणों की औपचारिकता है। आगे के वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए संचालन की स्थिरता, आर्थिक हितों की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के प्रदर्शन में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक उद्यमों की आर्थिक सुरक्षा के अनुकूलन को सही ठहराने के लिए पद्धतिगत उपकरणों की खोज की आवश्यकता है।

संदर्भ

1. Arefi va, O., Tulchynska, S., Popelo, O., Arefi v, S., Tkachenko, T. (2021). The Economic Security System in the Conditions of the Powers Transformation. IJCSNS International Journal of Computer Science and Network Security, 21(7), 35-42.
2. Arefieva, O.V., Kuzenko, T.B. (2004). Planning of economic security of enterprises. Kyiv. Averichev, I.M. (2014). Functional-parametric model of economic security of water transport enterprises. Collection of scientific works of Donetsk National University. Economics and organization of management,4(20), 14–19.

3. Denisenko, M.P. (2017). Priority areas for strengthening economic security. Economy and State, (3), 32–35.
4. Illiashenko, S.M. (2013). Components of economic security of the enterprise and ap- proaches to its evaluation. Actual problems of the economy, (3), 13–19.
5. Ivchenko, E.A. (2018). Transformations of the economic security of the enterprise. Sumy: Published by SNU. V. Dahl.
6. Krutov, V.V. (2008). Formation and development of a non-state system of business se- curity. Kyiv: Phoenix.
7. Lyaskovets, O.V. (2017). Theoretical and methodological bases of providing strategic management of economic security development of machine-building enterprises. Scientific Bulletin of Poltava University of Economics and Trade, (2(80)), 97-105.
8. Melikhova, T.O. (2018). Research of functional components of economic security of the enterprise. Scientific notes of TNU named after V.I. Vernadsky. Series: Economics and Management, 29(68)(1), 49–52.
9. Mizyuk, V.V., Murga, O.M. (2008). The effectiveness of aviation safety of the air trans- port enterprise and the analysis of the factors influencing it. Problems of improving the efficiency of infrastructure, 18, 2-8.
10. Popelo, O., Kychko, I., Tulchynska, S., Zhygalkevych, Zh., Treitiak, O. (2021). The Impact of Digitalization on the Forms Change of Employment and the Labor Market in the Context of the Information Economy Development. IJCSNS International Journal of Computer Science and Network Security, 21(5), 160-167.
11. Popelo, O.V. (2014). Entrepreneurial clusters as an innovative dominant of moderni- zation of the region 's economy. Regional economy, (2), 95–105.
12. Shkarlet, S.M. (2007).Economic security of an enterprise: an innovative aspect. Kyiv: NAU Publishing House.
13. Solosich, O., Popelo, O., Nusinova, O., Derhaliuk, M., Tulchynska, S. (2021). Ensuring economic security of regions as a potential-forming space in the conditions of in- tellectualization. Academy of Entrepreneurship Journal, 27(6), 1-8.DOI: 1528-2686- 27-6-617.
14. Tulchinskyi R.V., Tulchynska, S.O., Ruzhytskyi, A.V. (2021). Strategies for enterprise competitiveness in conditions of macroeconomic instability. Investments: practice and experience, 6, 5-9.
15. Tulchynska, S., Solosich, O., Chornii, V. (2021). Influence of digitalization of manage- ment processes on the system of economic security of the enterprise. Investments: practice and experience, 9, 54-58.
16. Tulchynska, S., Vovk, O., Popelo, O., Saloid, S., Kostiunik, O. (2021). Innovation and investment strategies to intensify the potential modernization and to increase the competitiveness of microeconomic systems. IJCSNS International Journal of Computer Science and Network Security, 21(6), 161-168.
17. Tulchynska, S.O., Solosich, O.S. (2020). Theoretical aspects of the relationship of in- dividual elements of the conceptual and categorical apparatus of economic secu- rity of the enterprise. Entrepreneurship development as a factor of national economy growth: materials of the XIX International scientific-practical conference (p. 75). Kyiv.
18. Vovk, O., Kovalchuk, A., Lukarzhevska-Mialyk, V. (2020). Management of trans- port company competitiveness in security directions. Collection of scientific papers «LOGOS» with Proceedings of the International Scientific and Practical Conference (Vol. 1, pp. 16-17). Amsterdam.
19. Yarova Y.O., Artemenko L.P. (2016). The structure of economic security of the enter- prise in a crisis. Economic Bulletin of NTUU "KPI", (13 (39)), 257-263.